प्रश्नों से पार - QA With Teachers

➢➢ अलबेलापन

➳ _ ➳ एक बात हमेशा दिमाग में रखनी चाहिए की

→ अभी कुछ भी नहीं समझा है... अभी बहुत कुछ पाना बाकी है

→ अभी तो परमात्म प्रेम और साथ का क्षणिक मात्र भी अनुभव नहीं किया है

→ स्वयं को इस अहंकार से मुक्त कीजिये की हम ग्यानी हैं

→ ज्ञान सुनना और सुनाना बहुत सहज है ... पर क्या ज्ञान समझ लिया है ? ज्ञान धारण कर लिया है ? ज्ञान का स्वरुप बन गए हैं ?

➢➢ हिसाब किताब नया ? या पुराना चुक्तु ?

➳ _ ➳ यह महत्वपूरण नहीं की

→ हिसाब किताब पुराना चुक्तु हो रहा है ? या नया बन रहा है ?

➳ _ ➳ महत्वपूरण यह है की

→ हमें उस समय क्या करना है ?

➳ _ ➳ हमें विशेष अटेंशन रखना है की

→ हमें नया हिसाब किताब नहीं बनाना है

➢➢ बल

➳ _ ➳ संकल्प शक्ति / POWER OF THOUGHT

→ आत्म बल

➳ _ ➳ शांति की शक्ति / POWER OF SILENCE / योग बल

→ परमात्म बल